भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने हरबादेवी सामुदायिक तालाब, मडगांव, मलाड पश्चिम में स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई और हरबादेवी मंदिर ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान-3.0 कार्यक्रम के तहत 29 अक्टूबर, 2023 को मढ़ के हरबादेवी सामुदायिक तालाब में स्वच्छता श्रमदान (स्वच्छता अभियान) का आयोजन किया। आईसीएआर-सीआईएफई के कर्मचारियों, छात्रों और हरबादेवी तालाब के आसपास रहने वाले स्थानीय समुदाय के नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। समुदाय के सदस्यों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई के कर्मचारियों द्वारा समुदाय के लोगों को सामुदायिक तालाब में स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

सामुदायिक तालाब में स्वच्छता का महत्व तथा उन्हें तालाब के पानी में कपड़े और बर्तन धोने से परहेज करने के बारे में भी शिक्षित किया गया, जो पानी की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली एक आम बात है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. शुक्ला ने सामुदायिक तालाब के स्वास्थ्य में सुधार के तरीकों के बारे में समुदाय के साथ बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। इसमें प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध भी शामिल था।

सामुदायिक तालाब का परिसर और हरबादेवी सामुदायिक तालाब में जल-पर्यटन गतिविधियाँ शुरू करने की संभावना पर ऐसी पहल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की बेहतरी में योगदान दे सकती हैं और आर्थिक अवसर प्रदान कर सकती हैं। हरबादेवी मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष श्री सीताराम कोली ने तालाब के पानी से प्लास्टिक और तैरते मलबे को हटाने में आवश्यक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तालाब की स्वच्छता बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। श्री कोली ने आईसीएआर-सीआईएफई के प्रयासों की सराहना की। श्री. जे.एम. कोली (सेवानिवृत्त तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-सीआईएफई) ने पूरे कार्यक्रम के दौरान सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवाजी अरगड़े और डॉ. एस.पी.शुक्ला ने सक्रिय भागीदारी से किया

सीआईएफई स्टाफ, छात्र और हरबादेवी मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधि। इस पहल ने स्थानीय संसाधनों की पारिस्थितिक स्थिति को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ सीआईएफई के सामुदायिक जुड़ाव और सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम ने स्वच्छता, पर्यावरण जागरूकता और हरबादेवी सामुदायिक तालाब के सतत उपयोग के सिद्धांतों में स्थानीय समुदायों की रुचि को प्रेरित किया।